

नाट्यकला/नाट्यकला/Natyakala (385)
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्रम्/ शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र
Tutor Marked assignment

पूर्णांकाः/पूर्णांक – 20
Total marks – 20

- निर्देशाः :** (i) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः। प्रश्नानुसारम् अंकाः समक्षे निर्देशिताः।
(ii) उत्तरपुस्तिकायाः प्रथमपृष्ठे स्वनाम, शिक्षणकेन्द्रसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

1. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए— 2
कंचिदेकं प्रश्नं ४०-६० शब्देषु समाधत्त।
Answer any one question in 40-60 words.

- a) कति रूपकभेदाः ? के च ते ? (द्रष्टव्य पाठ- 1)
रूपक के कितने भेद हैं? वे कौन-कौन से हैं?
How many types of Rūpaka are there? What are they?
- b) आचार्यस्य अभिनवगुप्तस्य परिचयं संक्षेपेण लिखत। (द्रष्टव्य पाठ- 2)
आचार्य अभिनवगुप्त का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
Write a brief introduction to Acharya Abhinavagupta.

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए— 2
कंचिदेकं प्रश्नं ४०-६० शब्देषु समाधत्त।
Answer any one question in 40-60 words.

- a) शुद्धसंकीर्णरूपकभेदौ स्पष्टयत। (द्रष्टव्य पाठ- 5)
शुद्ध तथा संकीर्ण रूपक के भेदों को स्पष्ट कीजिए।
Explain the types of Śuddha and Saṅkīrṇa Rūpakas.
- b) ध्रुवस्वामिनी इति नाटकस्य संक्षिप्तपरिचयो देयः। (द्रष्टव्य पाठ- 12)
'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
Give a brief introduction to the play Dhruvasvamini.

3. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए— 2
कंचिदेकं प्रश्नं ४०-६० शब्देषु समाधत्त।
Answer any one question in 40-60 words.

- a) जिह्वाकारमञ्चस्य वैशिष्ट्यं लिखत। (द्रष्टव्य पाठ- 14)
जिह्वाकार मंच की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Write the characteristics of theThurst stage.
- b) ग्रीवाभिनयस्य प्रयोगं विशदीकुरुत (द्रष्टव्य पाठ- 17)
ग्रीवा-अभिनय के प्रयोग का वर्णन कीजिए।
Explain the use of neck movements (Grīvābhinaya) in acting.

4. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए— 4
कंचिदेकं प्रश्नं १००-१५० शब्देषु समाधत्त।
Answer any one question in 100-150 words.
- a) किं नाम नाट्यमिति विवेचयत। (द्रष्टव्य पाठ- 1)
नाट्य किसे कहते हैं? विवेचन कीजिए।
Discuss what is meant by Nāṭya (drama/theatre).
- b) नाट्यशास्त्रस्य मध्यकालीनव्याख्यासु टिप्पणीं कुरुत। (द्रष्टव्य पाठ- 2)
नाट्यशास्त्र की मध्यकालीन व्याख्याओं पर टिप्पणी कीजिए।
Write a note on the medieval commentaries of the Nāṭyaśāstra.
5. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए— 4
कंचिदेकं प्रश्नं १००-१५० शब्देषु समाधत्त।
Answer any one question in 100-150 words.
- a) पञ्च अर्थप्रकृतीः विवृणुत। (द्रष्टव्य पाठ- 5)
पाँच अर्थप्रकृतियों का वर्णन कीजिए।
Explain the five Arthaprakṛtis (elements of plot development) in Sanskrit dramaturgy.
- b) रंगमञ्चस्य अधुनिकीम् अवधारणां निरूपयत। (द्रष्टव्य पाठ- 14)
रंगमंच की आधुनिक अवधारणा का निरूपण कीजिए।
Explain the modern concept of the stage/theatre.
6. नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना-विवरण 500 शब्दों में लिखिए— 6
अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना विवरणं लिखत-
Prepare any one project out of the following subjects in about 500 words.
- a) नाट्यशास्त्रे अध्यायानुसारं प्रतिपाद्याविषयाणां विवरणं निर्मिमीत। (द्रष्टव्य पाठ- 2)
नाट्यशास्त्र के अध्यायों में प्रतिपादित विषयों का अध्यायानुसार वर्णन कीजिए।
Prepare a chapter-wise account of the subjects discussed in the Nāṭyaśāstra.
- b) भासनाटकचक्रमधिकृत्य परियोजनायाः निर्माणं कुरुत। (द्रष्टव्य पाठ-1)
भास-नाटक-चक्र को आधार बनाकर एक परियोजना तैयार कीजिए।
Prepare a project based on the Bhasa Nāṭaka Cycle (the corpus of plays attributed to Bhāsa).